दैनिक भास्कर

रांची 03-07-2024

प्रशिक्षण कार्यक्रम में खनन के लिए भूमि अधिग्रहण के अनुभव, चुनौतियां और अवसर पर चर्चा की गई

रांची | जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची ने ब्लैकरॉक माइनिंग एंड मिनरल कंसल्टेंसी (बीआरएमएमसी) के अधिकारियों के लिए कैंपस में एक विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया। संस्थान के निदेशक डॉ. जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे ने बताया प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके पेशेवर उन्नति के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है। मौके पर डॉ. कुजूर ने स्थानीय क्षेत्र में बाहरी लोगों के सामने आने से होने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। बीआरएमएमसी के सीईओ डॉ. अमृतांशु प्रसाद ने अधिकारियों से सत्र के दौरान नई चीजें सीखने के लिए कहा। डीन एकेडमिक अकादमिक डॉ. अमर एरॉन तिग्गा ने संस्थान के तीन 'पी' सिद्धांत हैं पीपुल, प्लेनेट और प्रॉफिट के बारे में बताया। प्रशिक्षण सत्र में सीएनटी अधिनियम, भूमि अधिग्रहण और कोयला धारक क्षेत्र अधिनियम जैसे विषयों पर रश्मि कात्यायन, एडवोकेट-राइटर और फादर जेवियर सोरेंग एसजे ने चर्चा की।

PRESS : DAINIK BHASKAR

बाआरएमएमसा आधकाारया को दिया गया प्रशिक्षण

एक्सआईएसएस में मंगलवार को आयोजित प्रशिक्षण में मौजूद शिक्षाविद-पदाधिकारी।

- एक्सआईएसएस में प्रशिक्षण का आयोजन
- आवश्यक ज्ञान, कौशल से लैस करने पर जोर

रांची, विशेष संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में ब्लैकरॉक माइनिंग एंड मिनरल कंसल्टेंसी (बीआरएमएमसी) के अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण मंगलवार को आयोजित हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर ने कहा कि प्रशिक्षण के विषयों के जरिये प्रशिक्षु को उनकी पेशेवर उन्नति के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है। डॉ कुजूर ने स्थानीय क्षेत्र में बाहरी लोगों के सामने आनेवाली चुनौतियों पर चर्चा की।

सीईओ-बीआरएमएमसी डॉ अमृतांशु प्रसाद ने एक्सआईएसएस में इस बात पर जोर दिया कि संस्थान प्रबंधन शिक्षा के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए भी खड़ा है। एक्सआईएसएस के डीन अकादमिक डॉ अमर एरॉन तिग्गा बोले, संस्थान उन पेशेवरों के लिए समर्पित है, जो विविधता को अपनाते हैं और सामाजिक न्याय, नैतिकता के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रशिक्षण कई सत्रों में चला। इसमें सीएनटी अधिनियम 1908 और भूमि अधिग्रहण, कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम 1957 और इसके निहितार्थ जैसे विषयों पर वकील रश्मि कात्यायन और एलएलएम और जेईएसए, जेसुइट कॉन्फ्रेंस ऑफ साउथ एशिया नई दिल्ली के फादर जेवियर सोरेंग ने चर्चा की। सीसीएल रांची के उप प्रबंधक, हिमालय इंद्रप्रस्थ ने खनन के लिए भूमि अधिग्रहण की चुनौतियों और अवसर पर वक्तव्य दिया।

PRESS : HINDUSTAN

प्रबंधन संस्थान ग्रामीण विकास में मदद दें : डॉ प्रसाद

रांची. एक्सआइएसएस रांची ने ब्लैक रॉक माइनिंग एंड मिनरल कंसल्टेंसी (बीआरएमएमसी) के अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया. प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर मंगलवार को परिचर्चा हुई. एक्सआइएसएस रांची के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानूस कुजूर एसजे ने प्रशिक्षण मॉड्यूल के उद्देश्यों पर चर्चा की. कहा कि प्रशिक्षण से प्रशिक्षु अधिकारी अपने कार्यक्षेत्र में प्रोफेशनल बन सकेंगे. वहीं, बीआरएमएमसी के सीइओ डॉ अमृतांशु प्रसाद ने कहा कि प्रबंधन संस्थान शिक्षा के साथ-साथ ग्रामीण विकास में सहयोग कर सकती है.

PRESS : PRABHAT KHABAR

BREAKING NEWS LATEST NEWS कैंपस झारखण्ड

एक्सआईएसएस, रांची द्वारा बीआरएमएमसी के अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण का आयोजन

July 2, 2024 Lens Eye News Comment(0)

राची, झारखण्ड | जुलाई 02, 2024 ::

एक्सआईएसएस, रांची ने ब्लैकरॉक माइनिंग एंड मिनरल कंसल्टेंसी (बीआरएमएमसी) के अधिकारियों के लिए 28 जून और 01-02 जुलाई 2024 को कैंपस में एक विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया।

प्रशिक्षण में स्वागत भाषण संस्थान के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने दिया, जहां उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया और एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम देने के लिए संस्थान के समर्पण को दोहराया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण मॉड्यूल का उद्देश्य इसके विषयों के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके पेशेवर उन्नति के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है। डॉ कुजूर ने स्थानीय क्षेत्र में बाहरी लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की, एक उदाहरण के रूप में आदिवासियों के बीच मिशनरियों के प्रयासों का हवाला दिया और इस बात पर जोर दिया कि ये प्रशिक्षण सत्र स्थानीय ऐतिहासिक और प्रासंगिक अंतर्दृष्टि का उपयोग करके अधिकारियों की कार्य नैतिकता और सॉफ्ट स्किल्स को बढ़ाएंगे, जिसका उद्देश्य प्रभावशीलता और अनुकूलनशीलता में सुधार करना है। डॉ कुजूर ने कहा, "आदिवासी विश्वदृष्टिकोण, विशेष रूप से प्रकृति-मानव-आत्मा सातत्य को समझना, हमारे संवेदीकरण प्रयासों का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह समग्र दृष्टिकोण न केवल उनकी संस्कृतियों के लिए गहरी प्रशंसा और सम्मान को बढ़ावा देगा, बल्कि एजेंसियों या क्षेत्र के अधिकारियों को बेहतर अवसरों के लिए वहां के लोगों के साथ संबंध बढ़ाने में सहायता भी प्रदान करेगा।"

इस प्रशिक्षण का मुख्य भाषण डॉ. अमृतांशु प्रसाद, सीईओ-बीआरएमएमसी ने दिया, जहां उन्होंने एक्सआईएसएस में भूमि अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण के पीछे के तर्क को स्पष्ट किया और इस बात पर जोर दिया कि संस्थान न केवल प्रबंधन शिक्षा के लिए अपने व्यापक दृष्टिकोण के लिए बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए अपने समर्पण के लिए भी खड़ा है। उन्होंने उल्लेख किया, "संस्थान का अनूठा फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में सतत और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्यों के साथ पूरी तरह से संरेखित है, जो इसे भूमि अधिकारियों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है। मैं अधिकारियों से आग्रह करता हूं कि वे सत्रों के दौरान नई चीजें सीखने के लिए तत्पर रहें।"

इससे पहले प्रशिक्षण में, डीन ऐकडमिक अकादमिक डॉ अमर एरॉन तिग्गा ने कहा कि एक्सआईएसएस उन पेशेवरों को पोषित करने के लिए समर्पित है जो विविधता को अपनाते हैं और सामाजिक न्याय, नैतिकता और सेवा के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं। संस्थान के तीन 'पी' सिद्धांत हैं: पीपुल, प्लेनेट और प्रॉफिट और ये मार्गदर्शक सिद्धांत विकास के लिए एक संतुलित और टिकाऊ दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

प्रशिक्षण कई सत्रों में आयोजित किया गया था, जिसमें सीएनटी अधिनियम 1908 और भूमि अधिग्रहण और कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम 1957 और इसके निहितार्थ जैसे विषयों पर रश्मि कात्यायन, एडवोकेट-राइटर और फादर जेवियर सोरेंग एसजे, एलएलएम और जेईएसए, जेसुइट कॉन्फ्रेंस ऑफ साउथ एशिया, नई दिल्ली द्वारा चर्चा की गई।

इसके बाद डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर और एक्सआईएसएस के शोध विद्यार्थी सीरत कच्छप और ईवा ज्योति लकड़ा द्वारा भूमि अधिग्रहण अधिनियम 1894 और 2013 और भारतीय वन अधिनियम 1927, वन संरक्षण अधिनियम 1980, वन अधिकार अधिनियम 2006 और वन संरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2023 पर दो सत्र आयोजित किए गए।

सीसीएल, रांची के उप प्रबंधक, हिमालय इंद्रप्रस्थ द्वारा खनन के लिए भूमि अधिग्रहण के अनुभव: चुनौतियां और अवसर पर एक सत्र लिया गया। अगले दो दिनों में, डॉ अमर तिग्गा और डॉ रमाकांत अग्रवाल ने कम्युनिकेशन और संचार कौशल सहित सार्वजनिक इंटरफेस कौशल पर एक सत्र लिया, जबकि डॉ पूजा और डॉ बिनीत लकड़ा ने क्रमशः अंतर-व्यक्तिगत संबंधों, टीमवर्क और आत्म-विकास की भूमिका पर एक सत्र लिया। इस बीच, समस्या-समाधान और सीखने की प्रणाली पर सत्र डॉ अनंत कुमार और डॉ भवानी प्रसाद महापात्रा द्वारा लिया गया। एमडीपी के समापन सत्र में त्रिवेणी सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीएसएमपीएल) के एचआर हेड, श्री बिमल सिन्हा भी उपस्थित थे। समापन दिवस पर, टेकअवे और लर्निंग सत्र, एनालिसिस सत्र शामिल थे और अंतिम दिन का समापन प्रमाण-पत्रों के वितरण के साथ हुआ।

PRESS : NEWSROOM

SOCIAL NEWS SEARCH

जल्द आ रहा है आपका
नया अखबार

XISS रांची ने ब्लैकरॉक माइनिंग एंड मिनरल कंसल्टेंसी के अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया

यूटिलिटी

July 2, 2024 Social News Search

रांची : एक्सआईएसएस रांची ने ब्लैकरॉक माइनिंग एंड मिनरल कंसल्टेंसी (बीआरएमएमसी) के अधिकारियों के लिए 28 जून और 01-02 जुलाई 2024 को कैंपस में एक विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया.

प्रशिक्षण में स्वागत भाषण संस्थान के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने दिया, जहां उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया और एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम देने के लिए संस्थान के समर्पण को दोहराया. उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण मॉड्यूल का उद्देश्य इसके विषयों के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके पेशेवर उन्नति के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है.

डॉ कुजूर ने स्थानीय क्षेत्र में बाहरी लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की, एक उदाहरण के रूप में आदिवासियों के बीच मिशनरियों के प्रयासों का हवाला दिया और इस बात पर जोर दिया कि ये प्रशिक्षण सत्र स्थानीय ऐतिहासिक और प्रासंगिक अंतर्दृष्टि का उपयोग करके अधिकारियों की कार्य नैतिकता और सॉफ्ट स्किल्स को बढ़ाएंगे, जिसका उद्देश्य प्रभावशीलता और अनुकूलनशीलता में सुधार करना है. डॉ कुजूर ने कहा, “आदिवासी विश्वदृष्टिकोण, विशेष रूप से प्रकृति-मानव-आत्मा सातत्य को समझना, हमारे संवेदीकरण प्रयासों का एक महत्वपूर्ण पहलू है. यह समग्र दृष्टिकोण न केवल उनकी संस्कृतियों के लिए गहरी प्रशंसा और सम्मान को बढ़ावा देगा, बल्कि एजेंसियों या क्षेत्र के अधिकारियों को बेहतर अवसरों के लिए वहां के लोगों के साथ संबंध बढ़ाने में सहायता भी प्रदान करेगा.”

इस प्रशिक्षण का मुख्य भाषण डॉ. अमृतांशु प्रसाद, सीईओ-बीआरएमएमसी ने दिया, जहां उन्होंने एक्सआईएसएस में भूमि अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण के पीछे के तर्क को स्पष्ट किया और इस बात पर जोर दिया कि संस्थान न केवल प्रबंधन शिक्षा के लिए अपने व्यापक दृष्टिकोण के लिए बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए अपने समर्पण के लिए भी खड़ा है. उन्होंने उल्लेख किया, "संस्थान का अनूठा फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में सतत और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्यों के साथ पूरी तरह से संरेखित है, जो इसे भूमि अधिकारियों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है. मैं अधिकारियों से आग्रह करता हूं कि वे सत्रों के दौरान नई चीजें सीखने के लिए तत्पर रहें."

इससे पहले प्रशिक्षण में, डीन ऐकडमिक अकादमिक डॉ अमर एरॉन तिग्गा ने कहा कि एक्सआईएसएस उन पेशेवरों को पोषित करने के लिए समर्पित है जो विविधता को अपनाते हैं और सामाजिक न्याय, नैतिकता और सेवा के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं. संस्थान के तीन 'पी' सिद्धांत हैं: पीपुल, प्लेनेट और प्रॉफिट और ये मार्गदर्शक सिद्धांत विकास के लिए एक संतुलित और टिकाऊ दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं.

प्रशिक्षण कई सत्रों में आयोजित किया गया था, जिसमें सीएनटी अधिनियम 1908 और भूमि अधिग्रहण और कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम 1957 और इसके निहितार्थ जैसे विषयों पर रश्मि कात्यायन, एडवोकेट-राइटर और फादर जेवियर सोरेंग एसजे, एलएलएम और जेईएसए, जेसुइट कॉन्फ्रेंस ऑफ साउथ एशिया, नई दिल्ली द्वारा चर्चा की गई.

PRESS : SOCIAL NEWS SEARCH